PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Duniya, New Delhi
Friday, 25th February 2011, Page: 12
Width: 8.51 cms Height: 9.27 cms, Ref: pmin.2011-02-25.57.53

दवा और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में गड़बड़ी हुई उजागर

नई दिल्ली (ब्यूरो)। भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी की अध्यक्षता में बनी संसद की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (पीएसी) ने दवाइयों एवं चिकित्सीय उपकरणों की खरीद को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की खिंचाई की है।

संसद में गुरुवार को पेश इस कमेटी की ताजा रिपोर्ट में इन मामलों में स्वास्थ्य मंत्रालय को नकारा करार दिया गया है। कमेटी ने सरकारी अस्पतालों में जानबूझ कर महंगी दवा लिखने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की पद्धति विकसित करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दवाइयों व इलाज के उपकरणों की खरीद में व्यापक नीतिगत दिशा-निर्देशों का सख्त अभाव पाया गया। इन चीजों की खरीद में एकरूपता नहीं थी। पाया गया कि यह सब अधिकारियों के उदासीन रवैये की वजह से हुआ। रिपोर्ट में कहा गया कि कमेटी को इस बात पर हैरत हुई कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाइयों और उपकरणों की खरीद में जिस पद्धति का प्रयोग किया था उसकी ऑडिट रिव्यू के पहले खरीद के लिए कोई एकरूप व व्यापक नीतिगत दिशा निर्देश मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवन रक्षक दवाओं एवं कीमती मशीनों सहित दवा व उपकरणों की खरीद में पारदर्शिता, कार्य कुशलता एवं कम खर्च स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेवारी है लेकिन हैरत की बात है कि वर्षों से मंत्रालय ने खरीद की किसी मानक प्रक्रिया का अनुपालन ही नहीं किया।